श्री बूटा सिंह (मोगा) : अध्यक्ष महोदय, मैंने एक बात निवेदन करनी थी ।

अध्यक्ष महोदय : चूंकि आपका नाम नहीं था इसलिए मैं आपको इजाजत नहीं दे सकता हूं ।

श्री बूटा सिंह : जिस प्रश्न के ऊपर चुनाव लड़कर हम लोग यहां पार्लियामेंट में आये हैं उस पंजाबी सूबे की चर्चा हम इस हाउस के अन्दर न करें यह कैसे हो सकता है ?

अध्यक्ष महोदय : अब आप यह भी देखें कि जैसे आप महसूस करते हैं वैसे ही और लोग भी महसूस करते हैं और मैं भी करता हूं लेकिन जो एक यहां कार्यवाही चलाने का हमने उसूल व कायदा बना रखा है उस को कायम रखने में मैं आप की मदद चाहता हूं ।

श्री बूटा सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं यह सोच रहा था कि शायद होम मिनिस्टर साहब के स्टेटमेंट से कोई हल निकलना है या स्थिति में कुछ सुधार होने वाला है मगर बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि इस से न तो कोई हल निकलता है न वर्तमान स्थिति में कोई सुधार हो सकता है । केवल चार दिन बाकी रह गये हैं जबकि संत जी आमरण व्रत शुरू करने वाले हैं और एक मर्तबा अगर व्रत शुरू हो गया तो वह टूट नहीं सकता है इसलिए इस गम्भीर स्थिति को देखते हुए मैं गवर्नमेंट से दरखवास्त करता हूं कि वह पंजाबी सूबे की घोषणा कर दे ।

Shri Kapur Singh: I shall say in just half a dozen sentences, what I want to say.

Shri Ranga (Chittoor): We may have a discussion this evening.

Mr. Speaker: This evening? I cannot say. If some notice is there it can be considered. That is what I am telling him again and again.

श्री बूटा सिंह : परिस्थिति बड़ी गम्भीर है केवल चार दिन रह गये हैं व्रत शुरू होने में । अविलम्ब इस पर विचार होना चाहिए ।

अध्यक्ष महोदय : आपको नोटिस भेजना चाहिए ।

श्री बूटा सिंह : एक बात....

अध्यक्ष महोदय : मैं अब बिल्कुल इजाजत नहीं दे सकता और अब आप बैठ जायें । मेरा मना करते रहने के बावजूद भी आप को जो कुछ कहना था आपने उसे कह लिया है ।

12.30 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE
THIRTY-NINTH REPORT

The Minister of Communications and Parliamentary Affairs (Shri Satya Narayan Sinha): I beg to move:

> "That this House agrees with the Thirty-ninth Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 3rd September, 1965."

Mr. Speaker: I shall now put the motion to the vote of the House.

12.30½ hrs.

STATEMENT RE: PUNJABI SUBA—*contd.*

Shri Ranga: Sir, I would like to make a suggestion. In the light of the statement made by the hon. Home Minister and the strong feelings expressed by some of the hon. Members, I would like to suggest that the Government themselves would take the earliest possible opportunity of